करते हुए हजार क्षेत्रों में एक दूसरे के साथ सहयोग कर रहे हैं। राष्ट्रपति होने के नाते मैं वचन लेता हूं कि मैं अपने प्रशासन काल के दौरान इस दिशा में प्रयास जारी रखूंगा।"

फलाइंग क्लबों का पुनर्जीवित किया जाना

26. **श्री ईश दत्त यादव**: क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश के सभी फ्लाइंग क्लबों को पुनर्जीवित करने और उनकी उड़ान के घंटों में वृद्धि करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो इन क्लबों को पुनर्जीवित किये जाने संबंधी प्रस्तावित योजना का ब्यौरा क्या है;

(ग) कब तक सभी फ्लाइंग क्लबों की अड़चनें दूर कर दी जाएंगी; और,

(घ) क्या सरकार कुछ फ्लाइंग क्लबों को बंद करने पर भी विचार कर रही है; और यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) से (ग) देश के अधिकतर फ्लाइंग क्लब संतोषजनक ढंग से कार्य कर रहे हैं। इन क्लबों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और सुदृढ़ करने के लिए भारतीय ऐरो क्लब ने 25 माइक्रोलाइट विमान प्राप्त कर लिये हैं। उड़ान घंटों में आर्थिक सहायता की वृद्धि करने का भी प्रस्ताव है।

(घ) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

रेल दुर्घटनाएं

27. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि 1 जनवरी, 1989 से अब तक अनेक रेल दुर्घटनाएं हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो इन दुर्घटनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) इन दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप कितने व्यक्ति मारे गये तथा कितने जख्मी हुये;

(घ) मारे गये या जख्मी हुए व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों तथा उनके आश्रितों को दिये गये मुआवजे का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिये किये गये सुरक्षात्मक उपायों का तथा इस संबंध में यदि कोई न्यायिक जांच हुई है, तो उसका ब्यौरा क्या है?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) और (ख) भारतीय रेलों पर 1.1.1989 से 15.2.89 की अवधि के दौरान 77 परिणामी गाड़ी दुर्घटनाएं हुई। इन दुर्घटनाओं का कोटिवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

टक्कर	6
पटरी से उतरना	63
समपारों पर दुर्घटनाएं	7
गाड़ियों में आग लगना	1

(ग) इन दुर्घटनाओं में, 10 व्यक्तियों की जानें गयीं और 77 व्यक्तियों को चोटें आयीं।

(घ) कुछ नहीं। दावेदारों को, न्यायालय के निर्णय के अनुसार क्षतिपूर्ति का भुगतान किया जायेगा।

(ङ) दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किये गये कुछ उपाय इस प्रकार हैं:—

(i) यात्री डिब्बों सहित चल स्टाक के पुर्नस्थापन पर अधिक जोर देना।

(ii) रेल पथ नवीकरण की गति बढ़ाना।

(iii) सहायक चेतावनी प्रणाली, धुरा काउंटरों आदि, जैसी मानवीय सतर्कता बढ़ाने के लिये परिष्कृत प्रौद्योगिकी अपनाना ।

(iv) धुरों और पटरियों की पराश्रव्य जांच।

(v) मरम्मत और अनुरक्षण की गुणवत्ता सुधारने के लिए कारखानों का आधुनिकीकरण । इन दुर्घटनाओं में से किसी की भी न्यायिक जांच नहीं हुई है।